[Shri P. C. Sethi]

and this year particularly in view of the shortages and the closure of industries we are thinking of importing some industrial alcohol for the use of these States. Sir, it is possible, we have learn from other countries, that industrial alcohol can be prepared on a large scale from potatoes, as the Soviet Union has done it. Therefore, the Agriculture Ministry is trying to get in touch with the Soviet Union...

SHRI P. RAMAMURTI: From muhawa flower you can do it. What are the other sources from which industrial alcohol can be manufactured?

SHRI P. C. SETHI: As far as the other question is concerned, I do not want to enter into any controversy with regard to the IMF. But I would like to say that even the Prime Minister has made it clear that whether we get the IMF loan or not, we would not do anything derogatory to the prestige of this country.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, we will take up special mentions. Yes, Mr. Yadav.

## REFERENCE TO THE SUCCESSFUL LAUNCHING OF APPLE

**श्री रामानन्द यादव** (बिहार) : उपसभापति जी, भारत ने "एप्पल" उपगृह को आकाश में भेज कर ख्याति प्राप्त कर ली है । उपसभापति जी, भारतीय भू-उपगृह एप्पल जैसे ही उपगृह को अंतरिक्ष कक्ष में भेजने के लिए 4 देशों ने पहले सतत प्रयास किया था । उन में से सबसे प्रमुख देश थे रूस और अमरीका और दोनों को शुरु में काफी असफलता मिली थी लेकिन यह "एप्पल" ... (**व्यवधान**) ... हां, इन के जमाने में मोरारजी देसाई भाई की सरकार ने सारे साइंटिस्टों को बन्द कर दिया और साइंटिफिक आर्गेनाइजेशन की गतिविधि को बन्द कर दिया था । अब जब अचीवमेंट होने लगा, हमारे साइंटिस्ट्स को कुछ करामात दिखाने का मौका मिला, उन को बधाई देने के लिए जब हम सदन की तरफ से खड़े हुए हैं, तो उन को बुरा मालूम देता है । एपिल को सक्सेसफुली लांच करने वाले उन तकनीशियनों और हजारों लोगों ने जिन्होंने मेहनत की आज संसार में वैज्ञानिक दृष्टि से हिन्दुस्तान का नाम चौथा कर दिया है । एपिल जैसा उपग्रह बनाने में और उस को लांच करने में, आकाश में खड़ा करने में अमरीका और रूस को अनेकों बार असफलता मिली थी । लेकिन आप को जानकर ताज्जुब होगा कि प्रथम बार में ही भारतीय वैज्ञानिकों को सफलता मिली और आज भारत के वैज्ञानिक और तकनीशियन ने यह साबित कर दिया है कि वह दुनिया के देशों में इस माने में आ गया है ।

जहां तक स्पेस में ज्योस्टेशनरी स्टेशन धार स्थापित कर के खास दूरी पर एपिल को रखने का सवाल है, उस में भी हिन्दुस्तान ने साबित कर दिया है कि किस तरह से निश्चित दूरी में उपग्रह को खड़ा किया जा सकता है । भारत के वैज्ञानिकों को यह योग्यता, यह दक्षता, यह कला प्राप्त है कि मेनोवर कर के निश्चित स्थान पर एपिल को रख सकें ।

उपसभापति जी, आप को सुन कर ताज्जुब होगा कि एक-एक उपग्रह में मिलियन, लाखों उपकरण और सिस्टम्स है जिन में से अधिकांश हिन्दुस्तान में बने हुए हैं । जो बूस्टर हैं, जिस ने ठेल कर के निश्चित जगह पर एपिल को रखा है वह भी भारत का बना हुआ है । चार साइंटिस्ट आर्गेनाइजेशन हैं जिन्होंने एपिल का निर्माण किया है और जो एपिल के निर्माण में, रोहिणी के निर्माण में, एस० एल० वी० 3 के निर्माण में और भास्कर के निर्माण में

लगे हुए थे । जब जनता पार्टी के लोग यहां बैठे हुए थे तो इन के प्राइम मिनिस्टर ने इन आर्गनाइजेशन्स को पैसा देना बन्द कर दिया था । मैं बधाई देता हूं इस देश की प्राइम मिनिस्टर को जिन्होंने (व्यवधान) पुनः जागृति लायी, पैसा दिया और आज देश का वैज्ञानिक दुनिया में सिर उठा कर कह सकता है कि वह निश्चित कक्षा में आकाश में अपना एपिल खड़ा कर सकता है । आज कम्युनिकेशन सिस्टम में एपिल से बढ़ोत्तरी हो सकती है, सोशल एजूकेशन में हो सकती है । (व्यवधान) आगे चल कर जो इस तरह के तीन-चार उपग्रह आकाश में घूम रहे हैं उन से एपिल की गतिविधि को रेगुलेट कर सकते हैं, उन से अधिक ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है । तो पुनः मैं इस देश के वैज्ञानिकों को और श्रीमती इन्दिरा गांधी जी को और हजारों-हजार टैक्नीशियनों को, साइंटिस्टों का, जो इस एपिल को उड़ाने में लगे हुए थे, उन्हें अपनी तरफ से और सदन की तरफ से बधाई देता हूं इस उपलब्धि के लिए । मैं पुनः प्राइम मिनिस्टर इन्दिरा गांधी को बधाई देता हूं कि उन्होंने यहां के वैज्ञानिकों में फिर से जान ला दी, उन में आत्मविश्वास पैदा कर दिया, उन को यह कह दिया कि भारत की सरकार और भारत की जनता तुम्हारे पीछे है, तुम जितना आगे बढ़ना चाहो बढ़ो । मैं बधाई देता हूं (व्यवधान) इनको प्राइम मिनिस्टर मोरारजी देसाई ने तो कहा था डेम साइंटिस्ट्स . . . (*Interruptions*) You sit down; you disbanded all those organisations.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is not a matter of controversy.

**श्री रामानन्द यादव** : इन के एसोसिएशन्स को पैसा देना बन्द कर दिया था । तब यह लोग चुपचाप बैठे हुए थे, मुंह पर लगाम लगाए हुए थे । आज जब मैं बधाई देने के लिए खड़ा हुआ हूं तो यह चिल्ला रहे हैं । यही इनकी गतिविधि है । मैं इन शब्दों के साथ अपने देश के वैज्ञानिकों और साइंटिस्टों को कांग्रेचुलेट करता हूं ।

SHRI SANKAR PRASAD MITRA (West Bengal): MR. Deputy Chairman, we are all proud of the achievements of the Indian scientists and we should send to them our hearty greetings and felicitations. An occasion like this should not in my humble opinion, be used for mutual recrimination.

SHRI SHRIDHAR WASUDEO DHABE (Maharashtra): Let the whole House join.

SHRI RAMANAND YADAV: You were shouting when I was standing and congratulating them; you started the game; you provoked me.

SHRI HARI SHANKAR BHABHRA (Rajasthan): Why was this special mention granted even?

SHRI RAMANAND YADAV: Are you to question this?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is not for you to question this.

(*Interruptions*)

SHRI RAMAKRISHNA HEGDE (Karnataka): Mrs. Gandhi has not done this.

(*Interruptions*)

MR. DEPUTY CHARMAN: That is his opinion.

SHRI RAMAKRISHNA HEGDE: She was not even present at the launching site. Now, he wants us to give credit to Mrs. Gandhi. It is the scientists who have done this.

SHRI RAMANAND YADAV: Indiraji started helping the scientists.

SHRI RAMAKRISHNA HEGDE: It is not Mrs. Gandhi who has done this.

**श्री रामानन्द यादव** : आप को तो मोरार जी के चरण छुए बिना काम ही नहीं चलता ।

**श्री रामेश्वर सिंह** (उत्तर प्रदेश) : आप श्रीमन्, मेरी बात सुनिए । श्रीमन्, उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांइट आफ आर्डर है । इतना एक महत्वपूर्ण सवाल मैंने स्पेशल मेंशन में दिया था कि जो एक विद्यार्थी के सम्बंध में था . . .

**श्री उपसभापति** : वह तो रिजेक्ट हो चुका है । This is not a point of order.

**श्री शिव चन्द्र झा** (बिहार) : आप मेरी बात सुनिये । एक विद्यार्थी के बारे में था ।

**श्री रामेश्वर सिंह** : किस माप दण्ड को आप ने अख्तियार किया है । कैसे आप ने इस स्पेशल मेंशन को ले लिया और जिस स्पेशल मेंशन को मैंने दिया था उस को आप ने नहीं लिया जो एक विद्यार्थी के हिन्दी बोलने के सवाल पर था । उस को आप एक्सेप्ट नहीं कर रहे हैं और इस तरह से . . .

**श्री उपसभापति** । आप श्री मलिक को अपनी बात कहने दीजिए ।

**श्री रामेश्वर सिंह** : पहले मेरा प्वाइंट आफ आर्डर हो जाना चाहिए ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is not a point of order. Please take your seat मैंने इस की इजाजत नहीं दी । आप कृपा कर बैठिये ।

रामेश्वर सिंह जी, आप बैठ जायें । आप अपना स्थान ग्रहण करिये ।

**श्री रामेश्वर सिंह** : आप के हाथ में शक्ति है । आप उस आसन पर बैठे हैं । आप देखें कि इस लड़के ने आत्म-हत्या की है । इस के सवाल को यहां उठाना चाहिए था ।

**श्री उपसभापति** : मैंने उस की इजाजत नहीं दी है । आप बैठिये ।

**श्री रामेश्वर सिंह** : आप इस सवाल को उठाने क्यों नहीं देते हैं ?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing will go on record. He is always casting reflections on the Chair. He has nothing to say.

(*Shri Rameshwar Singh continued to speak*)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing is going on record. I would like to say one thing to Mr. Rameswar Singh, particularly. He is always casting reflections on the Chair. He is very much against me. If he wants, he can bring forward a No-Confidence Motion...I am very sorry.

**श्री रामेश्वर सिंह** : अगर इस प्रकार का पक्षपातपूर्ण व्यवहार आप करेंगे तो हम सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे । हमारे राइट को आप नहीं छीन सकते ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Malik, please go on, please let him complete.

**श्री शिव चन्द्र झा** : श्रीमन, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है ।

MR. DEPUTY CHARMAN: There is no point of order. You want to create disorder.

***Deleted as ordered by the Chair.

**श्री शिव चन्द्र झा :** आप उठाने का मौका तो दे दीजिए। हमारी आप बात सुनते ही नहीं। . . . **(व्यवधान)**

**श्री उपसभापति :** दूसरों को भी तो सुनने दीजिए। . . . **(व्यवधान)**

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर** (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, मेरा निवेदन है कि आप गलती से गरमी में कुछ कह गए *** . . . **(व्यवधान)**

MR. DEPUTY CHAIRMAN: * * * I said that.

**श्री जगदीश प्रसाद माथुर :** मेरा निवेदन है कि आपका मतलब यह नहीं है। आप कहना चाहते हैं कि मैं इसको उचित नहीं समझता हूं। आप उसको बदलवा दीजिए। आपने गलती में कह दिया।

**श्री उपसभापति :** ठीक है। All right.

**श्री रामेश्वर सिंह :** श्रीमन्, . . . **(व्यवधान)**

**श्री रामानन्द यादव : बैठे बैठे** तुम सदन का समय बरबाद करते हो। . . . **(व्यवधान)**

**श्री उपसभापति :** रामेश्वर सिंह जी, बैठ जाइये। आप अनावश्यक बातें कह देते हैं। . . . **(व्यवधान)** He has no right to go on like that.

SHRI P. RAMAMURTI (Tamil Nadu): I am extremely sorry that a matter on which the entire House should express its sense of appreciation and place on record the appreciation of not only this House but of the entire nation and the indebtedness of the nation to the scientists who have done this wonderful performance, is being made a matter of controversy. It is unnecessary. It would have been far better if some Resolution had been broupght. I expected the Prime Minister, since she had brought such a Resolution in the other House yesterday, to bring it in this House also. The Leader of the House is not here, but the Deputy Leader is there. He can inform us if she is going to do it, or on behalf of the Government such a Resolution is going to be moved in this House. Otherwise you can allow us to make a Special Mention so that all of us can join and this House can join in congratulating these people and give them all support and confidence. We want our country to be self-sufficient. Therefore, I want him to answer whether such a Resolution is going to be brought. I do not want to enter into a controversy. This should *not* have been made a matter of controversy. So please tell us..

**संसदीय कार्य विभाग मे राज्य मंत्री (श्री सीताराम केसरी) :** डिप्टी चेयरमैन साहब, जैसा कि हमारे माननीय सदस्य ने कहा, उनकी भावनाओं को हम उचित जगह पर पहुंचा देंगे और मेरा ख्याल है कि उनकी भावना सम्मानित होगी।

**श्री शिवचन्द्र झा :** उसके लिये सब को खुशी है कि लेकिन मेरा प्वाइन्ट आफ आर्डर है कि जब अमरीका न्यूट्रान बम बना रहा है तो मैंने स्पेशल मशन दिया था कि भारत के वैज्ञानिक क्या कर रहे हैं ? . . . **(व्यवधान)**

---

## REFERENCE TO THE REPORTED BURNING OF NATIONAL FLAG AT PHAGWARA RAILWAY STATION

**श्री सत्यपाल मलिक** (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदय, 15 अगस्त को पंजाब में एक दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक घटना हुई। पंजाब में फगवाड़ा

***Deleted as ordered by the Chair.